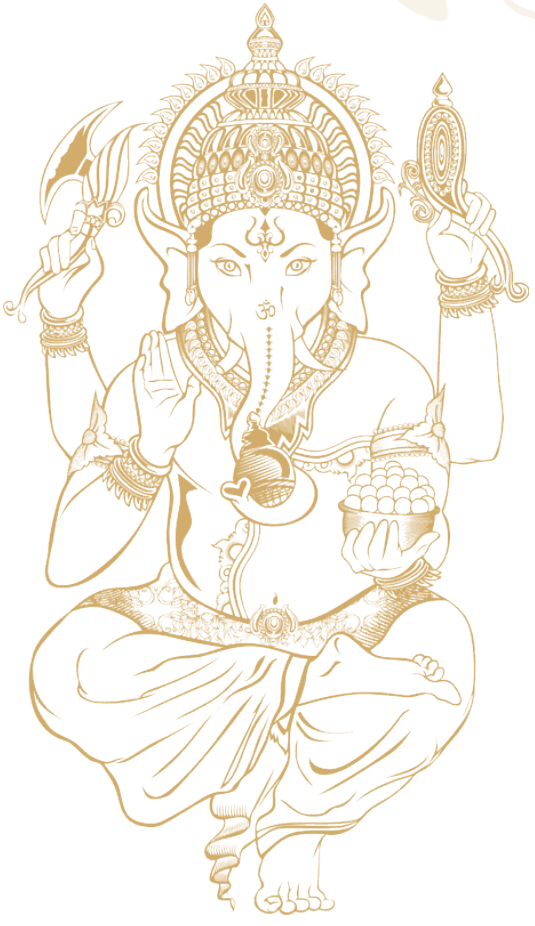

Anurag

08 Sep 1991

11:20 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121474412

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/09/1991**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:20:00 घंटे**
इष्ट	43:14:12 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:58:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:05 घंटे
साम्पातिक काल	22:08:01 घंटे
सूर्योदय	06:02:19 घंटे
सूर्यास्त	18:35:12 घंटे
दिनमान	12:32:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:50:10 सिंह
लग्न के अंश	22:40:41 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	साध्य
करण	किंस्तुघ्न
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	22:40:41	356:19:44	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	---
सूर्य			सिंह	21:50:10	00:58:17	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			सिंह	25:37:27	14:15:52	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	कन्या	11:04:31	00:38:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			सिंह	03:53:13	01:05:29	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			सिंह	05:30:22	00:12:51	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
शुक्र	व		कर्क	27:41:08	00:11:03	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मक	07:00:33	00:02:29	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	स्वराशि
राहु	व		धनु	23:34:57	00:09:07	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	नीच राशि
केतु	व		मिथु	23:34:57	00:09:07	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	16:08:14	00:00:32	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		धनु	20:19:32	00:00:34	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो			तुला	24:18:21	00:01:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	06:10:10	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:44:44

लग्न-चलित

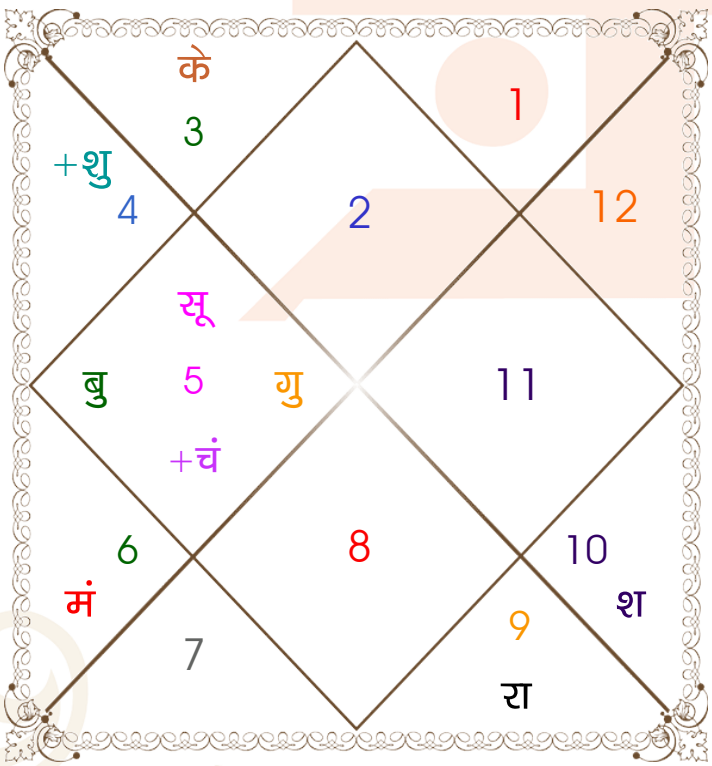

चन्द्र कुंडली

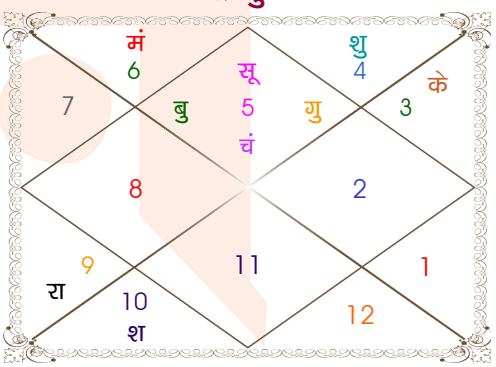

नवमांश कुंडली

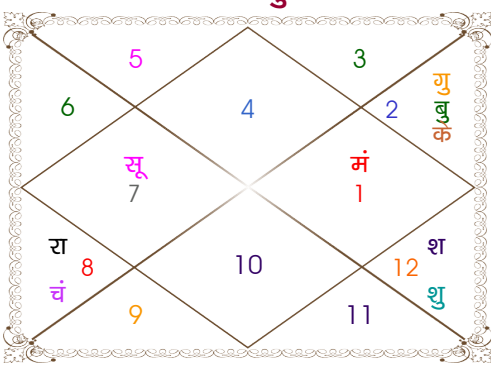

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 6 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/09/1991		02/04/1993		02/04/1999		02/04/2009		01/04/2016	
02/04/1993		02/04/1999		02/04/2009		01/04/2016		02/04/2034	
	00/00/0000	सूर्य	20/07/1993	चंद्र	31/01/2000	मंगल	29/08/2009	राहु	14/12/2018
	00/00/0000	चंद्र	19/01/1994	मंगल	01/09/2000	राहु	16/09/2010	गुरु	08/05/2021
	00/00/0000	मंगल	27/05/1994	राहु	02/03/2002	गुरु	23/08/2011	शनि	14/03/2024
	00/00/0000	राहु	20/04/1995	गुरु	02/07/2003	शनि	01/10/2012	बुध	01/10/2026
	00/00/0000	गुरु	07/02/1996	शनि	31/01/2005	बुध	28/09/2013	केतु	20/10/2027
	00/00/0000	शनि	19/01/1997	बुध	02/07/2006	केतु	24/02/2014	शुक्र	20/10/2030
	08/09/1991	बुध	25/11/1997	केतु	31/01/2007	शुक्र	26/04/2015	सूर्य	13/09/2031
बुध	31/01/1992	केतु	02/04/1998	शुक्र	01/10/2008	सूर्य	01/09/2015	चंद्र	14/03/2033
केतु	02/04/1993	शुक्र	02/04/1999	सूर्य	02/04/2009	चंद्र	01/04/2016	मंगल	02/04/2034

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/04/2034		02/04/2050		02/04/2069		02/04/2086		02/04/2093	
02/04/2050		02/04/2069		02/04/2086		02/04/2093		00/00/0000	
गुरु	20/05/2036	शनि	05/04/2053	बुध	29/08/2071	केतु	29/08/2086	शुक्र	01/08/2096
शनि	01/12/2038	बुध	14/12/2055	केतु	25/08/2072	शुक्र	29/10/2087	सूर्य	01/08/2097
बुध	08/03/2041	केतु	22/01/2057	शुक्र	26/06/2075	सूर्य	05/03/2088	चंद्र	02/04/2099
केतु	12/02/2042	शुक्र	23/03/2060	सूर्य	02/05/2076	चंद्र	04/10/2088	मंगल	02/06/2100
शुक्र	13/10/2044	सूर्य	05/03/2061	चंद्र	01/10/2077	मंगल	02/03/2089	राहु	03/06/2103
सूर्य	01/08/2045	चंद्र	05/10/2062	मंगल	28/09/2078	राहु	21/03/2090	गुरु	01/02/2106
चंद्र	01/12/2046	मंगल	13/11/2063	राहु	17/04/2081	गुरु	25/02/2091	शनि	03/04/2109
मंगल	07/11/2047	राहु	19/09/2066	गुरु	24/07/2083	शनि	04/04/2092	बुध	09/09/2111
राहु	02/04/2050	गुरु	02/04/2069	शनि	02/04/2086	बुध	02/04/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 6 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।